

# अल्लाह तआला की इरमा- बरदारी के लिये माल और उम्र से मोहब्बत करने का बयां



मौलाना मुहम्मद हमरान कासमी बिज्ञानवी.

अेक हज़ार मुन्ताज़ब हदीसे मिश्क़ात शरीफ़ हिन्दी से लिप्यांतरण किया है.

## बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{1} तिर्मेज़ी, हज़रत अबू बकर रही. से रिवायत है-  
जुलासा- अेक आदमी ने पूछा अे अल्लाह के रसूल! कौन  
आदमी बेहतर है? रसूलुल्लाह ﷺ ने इरमाया- वो आदमी  
जिसकी उमर लम्बी है और उसके आमाल अच्छे हैं. फिर  
उसने पूछा कौन आदमी बेहतर है? आप ﷺ ने इरमाया  
जिसकी उमर लम्बी है लेकिन उसके आमाल बुरे हैं.

{2} तिर्मेज़ी, हज़रत अबू कबशा अन्मारी रही. से  
रिवायत है-

जुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने इरमाया- में तीन बातों के बारे में  
तुम्हें कसम जाकर बयान करता हूं, तुम उन्हें महकूम रखना-  
१] किसी आदमी का माल सदेक़े की बरक़त से कम नहीं होता.



۲] کسی آدمی پر جب بھی جُلَم ہوتا ہے اور وہ اس پر سبک کرتا ہے تو اللہ تعالیٰ جُلَم کی وجہ سے اسکی عَزّت بڑھاتے ہیں۔

۳] کوئی آدمی جب بھی سوال کے دروازے کو کھولتا (لوگوں سے مانگنا شروع کر دیتا) ہے تو اللہ تعالیٰ اس پر کدیری کا دروازہ کھول دیتے ہیں۔

اسکے بعد آپ ﷺ نے فرمایا- یہ باتیں بھی یاد رکھنا کہ بھلا-شुद्ध دُنیا سیکھ کر یاں ہنسناؤ کے لیے ہے -

۱] وہ آدمی جسکو اللہ تعالیٰ نے مال اور عِلْم عطا کیا ہے، وہ اسमें اپنے رب سے ڈرتا ہے اور سبک کرتا ہے اور اسमें کھڑک کے مٹاؤ پر عَزّت کرتا ہے تو ایسا ہنسناؤ بڑھتے ہی بڑھتا ہے۔

۲] وہ آدمی جسکو اللہ تعالیٰ نے عِلْم عطا کیا ہے لہٰذا اسے مال نہیں دیا، اگر یہ آدمی سبک دیتا ہے اور کہتا ہے کہ کاش میرے پاس بھی مال ہوتا تو میں بھی ایسا ہنسناؤ کی طرح عَزّت کرتا، تب ان دونوں کا سبب برابر ہے۔

۳] وہ آدمی جسکو اللہ تعالیٰ نے مال دیا ہے

और उसे धलम नहीं दिया, वो अपने माल में शरीअत के बिलाइ अमल व धण्तिथार थला रहा है, वो उसमें ना अपने रब से भौइ भाला है और ना ही सिला-रहमी करता है और ना ही माल में शरीअत के मुताबिक अमल (भर्य वगैरह) करता है, तो ऐसा आदमी बहुत बुरे ठिकाने वाला है.



8] वो आदमी है जिसे अल्लाह तआला ने माल और धलम दोनों नहीं दिये और वो कहता है काश मेरे पास माल होता तो मैं भी उसमें इलां धन्सान की तरह बुरे अमल करता, तो उसका ठिकाना उसकी नियत के मुताबिक है और उन दोनों का गुनाह बराबर है.

{3} तिमेंजी, हजरत अनस रही. से रिवायत है-

भुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने इरमाया- बिला-शुब्हा अल्लाह तआला जब किसी धन्सान के बारे में ललाध का धरादा इरमाते है तो उसे नेक कामों में लगा देते है. आप ﷺ से पूछा गया ओ अल्लाह के रसूल! अल्लाह तआला उसको कैसे नेक कामों में लगा देते है? आप ﷺ ने इरमाया- मौत से पहले उसे नेक अमल की तौईक देते है.